14-03-2019

प्रेस विज्ञप्ति

उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर होंगे टी0बी0 पर शोध

उत्तर प्रदेश क्षय नियंत्रण कार्यक्रम के अंर्तगत आज दिनांक 14 मार्च 2019 को दो दिवसीय ऑपरेशनल रिसर्च की कार्यशाला का आयोजन किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के कलाम सेंटर में प्रारम्भ हुआ।

इस कार्यशाला के उद्घाटन कार्यक्रम में पी0जी0आई0 चंडीगढ़ के डॉ0 दिगम्बर बहरा जो कि भारत में राष्ट्रीय क्षय नियंत्रण कार्यक्रम में राष्ट्रीय टास्क फोर्स के चेयरमेन हैं, ने बताया कि भारत के मा0 प्रधानमंत्री द्वारा टी0बी0 मुक्त भारत 2025 तक बनाने के संकल्प के लिए देश के 500 से अधिक मेडिकल कॉलेज, 10 लाख से ज्यादा चिकित्सक तथा 70 हजार के करीब पी0जी0छात्र (जूनियर डॉक्टर) पूरी तरह से समर्पित भाव से कार्य करने को तैयार हैं।

डॉ0 बहरा ने बताया कि ऑपरेशनल रिसर्च के माध्यम से टी0बी0 की रोकथाम के लिए इसकी जांच, उपचार एवं बचाव के लिए नए–नए अनुसंधानों की आवश्यकता है। डॉ0 बहरा ने उत्तर प्रदेश के 38 मेडिकल कॉलेज के प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक मेडिकल कॉलेज में टी0बी0 से संबंधित शोध कार्य अवश्य करना चाहिए।

इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए चिकित्सा विश्वविद्यालय के मा0 कुलपति प्रो0 एम0एल0बी0भटट् ने कहा कि इस उद्घाटन कार्यक्रम में राष्ट्रीय चेयरमेन, वाइस चेयरमेन, नार्थ जोन के जोनल चेयरमेन, उत्तर प्रदेश के स्टेट टी0बी0 आफिसर, उत्तर प्रदेश के ऑपरेशनल रिसर्च के चेयरमेन, पी0जी0आई0 चंडीगढ़, एम्स दिल्ली तथा इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च जैसे बड़े संस्थानों के वैज्ञानिक इस दो दिवसीय कार्यशाला में शामिल हो रहे हैं, ऐसा लगता है कि उत्तर प्रदेश में अब टी0बी0 की खैर नहीं।

मा0 कुलपति जी ने बताया कि के0जी0एम0यू0 में शोध को बढ़ावा देने के लिए इंट्रा म्यूरल रिसर्च फंड को प्रत्येक प्रोजेक्ट के लिए एक लाख के स्थान पर इसको बढ़ाकर 2.5 लाख प्रति प्रोजेक्ट कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त उच्च स्तरीय शोध जैसे कि Systemic review तथा meta anaylisis के लिए भी बजट का प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि के0जी0एम0यू0 में टी0बी0 से संबंधित शोध कार्य में जो भी आवश्यकता होगी वह पूरी की जाएगी।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि हिमाचल प्रदेश से आए नार्थ जोन टास्क फोर्स के चेयरमेन डॉ0 ए0के0भारद्वाज ने बताया कि वैसे तो टी0बी0 से संबंधित शोध के लिए नेशनल हेल्थ मिशन, भारत सरकार के द्वारा बजट मिलता है लेकिन हिमाचल प्रदेश देश का ऐसा प्रथम राज्य है, जिसने अपने राज्य के स्तर पर ही टी0बी0 के शोध को बढ़ावा देने के लिए बजट का प्रावधान किया है।

नार्थ जोन, ऑपरेशनल रिसर्च के चेयरमेन तथा उत्तर प्रदेश क्षय नियंत्रण टास्क फोर्स के चेयरमेन डॉ0 सूर्यकांत ने बताया कि प्रदेश में टी0बी0 के शोध को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक मेडिकल कॉलेज से टी0बी0 से संबंधित थिसिस करने वाले पी0जी0 छात्र को 30 हजार रूपए का बजट प्रदान किया जाएगा। डॉ0 सूर्यकांत ने बताया कि उत्तर प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों के चिकित्सा शिक्षकों के द्वारा टी0बी0 से संबंधित रिसर्च प्रोजेक्ट को भी अनुदान प्रदान किया जाएगा।

डॉ0 सूर्यकांत ने बताया कि राज्य स्तर पर दो लाख रूपए तक का बजट तथा जोन के स्तर पर पांच लाख रूपए तक का बजट टी0बी0 के प्रत्येक रिसर्च प्रोजेक्ट के लिए अनुदान के रूप में दिया जाएगा। पांच लाख रूपए से अधिक बजट वाले रिसर्च प्रोजेक्ट को क्षय नियंत्रण की नेशनल टास्क फोर्स को स्वीकृति के लिए भेजा जाएगा।

इस अवसर पर ऑपरेशन रिसर्च, उत्तर प्रदेश के चेयरमेन डॉ0 सुधीर चौधरी ने प्रदेश के समस्त 43 मेडिकल कॉलेज के शिक्षकों एवं पी0जी0 छात्रों से आवाह्न किया कि इस दो दिवसीय कार्यशाला में प्रतिभाग करते हुए टी0बी0 के क्षेत्र में शोध कैसे करें, यह सीख कर अपने शोध प्रस्ताव भेजें।

इस अवसर पर स्टेट टी0बी0 आफिसर डॉ0 संतोष गुप्ता ने प्रदेश में टी0बी0 के शोध के लिए अपना पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर एरा मेडिकल कॉलेज के डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद, डॉ0 फरीदी, के0जी0एम0यू0 की डॉ0 अमिता जैन, डॉ0 अजय वर्मा, डॉ0 डी0के0बजाज, एस0जी0पी0जी0आई0 से डॉ0 रिचा मिश्रा, लोहिया संस्थान से डॉ0 मनीष सिंह, आई0सी0एम0आर0 के वैज्ञानिक डॉ0 अवि बंसल, स्टेट टी0बी0 डेमोंसट्रेशन सेंटर आगरा के निदेशक डॉ0 शैलेन्द्र भटनागर, एम्स दिल्ली से डॉ0 आर0एम0पाण्डेय, डॉ0 अजीत सहाय, विश्व स्वास्थ्य संगठन के कंसल्टेंट उपस्थित रहे।